क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्षः 02 अंकः 78, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

केजरीवाल बोले- मोदी का समर्थन कर भारत में दंगा कराना चाहता है पाकिस्तान

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार आरोप लगाया कि पाकिस्तान और उसके प्रधानमंत्री इमरान खान लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इसलिए समर्थन कर रहे हैं क्योंकि वे भारत में दंगे फैलते हुए देखना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान जो 70 सालों में नहीं कर सका, उसके मित्र मोदी ने पांच साल में कर दिया और वह है भारत की भाईचारे को नुकसान पहुंचाना। केजरीवाल का यह ट्वीट तब आया है जब भाजपा ने ट्वीट किया कि वह देश में राष्ट्रीय नागरिक पंजी का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी और हरेक घुसपैठिये को बाहर करेगी। बौद्ध, ड्क्षहदू और सिख उसका अपवाद हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''पाकिस्तान और (प्रधानमंत्री) इमरान खान भारत में दंगे फैलते हुए देखना चाहते हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान आगामी चुनाव में मोदी का खुलकर समर्थन कर रहा है।'' विदेशी पत्रकारों के एक छोटे समूह के साथ साक्षात्कार में इमरान खान ने कहा था कि उनका विश्वास है कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा आम चुनाव जीतती है तो भारत के साथ शांति वार्ता और कश्मीर मुद्दे के हल की बेहतर गुजाइंश है।

सुरक्षा में चूक पर गृह मंत्रालय का बयान, राहुल के चेहरे पर थी फोटोग्राफर के मोबाइल की लाइट

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने अमेठी में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक के कथित मामले में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राहुल गांधी के चेहरे पर दिखाई दी 'हरी रोशनी' लेजर नहीं बल्कि कांग्रेस के फोटोग्राफर के मोबाइल से निकली हुई रोशनी है। कांग्रेस ने आज कहा कि बुधवार को अमेठी संसदीय क्षेत्र से नामांकन करने के बाद जब राहुल संवाददाताओं से बात कर रहे थे, उस समय उनके चेहरे पर लेजर की रोशनी दिखाई दी थी। कांग्रेस ने इसे राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक का मामला बताते हुए गृह मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर इसकी जांच कराने को कहा था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि अभी तक मंत्रालय को कांग्रेस की ओर से इस तरह का पत्र नहीं मिला है लेकिन जैसे ही इस तरह की रिपोर्ट उसके संज्ञान में आई उसने विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) के निदेशक से 'हरी रोशनी ' की वास्तविक स्थिति का पता लगाने को कहा। एसपीजी निदेशक ने मंत्रालय को बताया कि वीडियो की गहन जांच की गई है और इसमें दिखाई दे रही 'हरी रोशनी' उस समय वीडियो बना रहे कांग्रेस के फोटोग्राफर के मोबाइल से निकल रही थी। निदेशक ने मंत्रालय को यह भी बताया कि यह जानकारी राहुल के निजी स्टाफ को भी दे दी गई है। निदेशक ने पुष्टि की है कि यह सुरक्षा से जुड़ा पहलू नहीं है।

असम में बोले पीएम मोदी

कांग्रेस ने किया तुगलक रोड चुनाव घोटालाः मोदी

केंदुकोना (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशान साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस का 'तुगलक रोड चुनाव घोटाला' सामने आया है. उन्होंने एक रैली में कहा कि नए घोटाले में गरीब बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण के लिए दिए जाने वाले करोड़ों रुपये जब्त किए गए हैं जबकि उसके खिलाफ भ्रष्टाचार के पुराने मामले अब भी चल रहे हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि 'नामदार परिवार' भ्रष्टाचार में संलिप्त है और इसे जीवन का जरिया बना चुका है जिसके लिए इसके सदस्य अब भी जमानत पर हैं लेकिन वे कहते हैं 'चौकीदार चोर है.' पिछले दिनों कई करोड़ रुपये का खेल हुआ पीएम मोदी ने किसी का नाम लिए बिना कहा, 'दिल्ली में तुगलक रोड है और वहां एक बंगले में बड़े नेता रहते हैं. पिछले कुछ दिनों के दौरान कई करोड़ रुपये का खेल हुआ. इस बंगले से जुड़े लोगों से बोरियों में भरे रुपये बरामद किए गए.

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'यह तुगलक रोड चुनाव घोटाला है और चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस इसमें संलिप्त है... अगर वे लूटेंगे नहीं तो चुनाव कैसे लड़ेंगे?' मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राष्ट्रीय राजधानी के तुगलक रोड पर एक बंगला खरीदा है और उनके पूर्व निजी सचिव प्रवीण कक्कड़ का घर इंदौर तथा पूर्व सलाहकार राजेन्द्र कुमार मिगलानी का घर दिल्ली में है जहां सात अप्रैल को आयकर अधिकारियों ने कथित हवाला मामले में छापेमारी की थी. कांग्रेस ने देश की सुरक्षा से समझौता किया पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर हमले का सबूत मांगकर कांग्रेस ने देश की सुरक्षा से समझौता किया है.

वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस के संलिप्त रहने के आरोप लगाते हुए मोदी ने कहा कि अगर वे चाहते तो 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद ही असम और जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान कर देते. उन्होंने कहा, 'लेकिन उन्होंने निहित स्वार्थों के लिए मुद्दों को जानबूझकर जिंदा रखा। ' पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठ होने दी ताकि वोट बैंक बना रहे. उन्होंने कहा, 'लेकिन यह चौकीदार सुनिश्चित करेगा कि असम और पूर्वोत्तर के लोगों के हितों की रक्षा के लिए घुसपैठ रुके.'

अखिलेश का बीजेपी पर हमला, इस बार चौकीदार की चौकी छीनने का काम करेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2019 के मद्देनजर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को अमरोहा पहुंचे. इस दौरान उन्होंने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि इस बार हम चौकीदार की चौकी छीनने का काम करेंगे. अमरोहा के बादशाहपुर गांव के श्रीराम किसान इंटर कॉलेज में जनसभा करने पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि हमें भरोसा है कि जीतकर इतिहास बनाएंगे. पहले चरण के मतदान पर बोले कि इस बार वोटों की बारिश हो रही है. पहले चरण में ही गठबंधन ने भाजपा को साफ कर दिया है. उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि हम गठबंधन बनाएंगे तो भाजपा को रोकेंगे. हम लोग भाजपा इसलिए रोकना चाहते हैं क्योंकि इन्होंने नफरत फैलाई है. अखिलेश यादव ने कहा कि ये गठबन्धन संविधान को बचाने के लिए है. अखिलेश ने कहा कि इस बार चौकीदार की चौकी छीनने का काम करेंगे क्योंकि ये चौकी छीनने का चुनाव है. आखिलेश ने कहा की ये चुनाव हमारे दिन बदलेगा. उन होंने कहा कि मोदी ने पिछड़े समाज के लोगो के हक छीन लिए. अखिलेश ने सीएम योगी को बाबा मुख्यमंत्री बताया खिलेश ने कहा कि हमें यूपी सरकार से भी हिसाब मांगना है क योंकि उन्होंने भी हमारा नुकसान किया है. अखिलेश ने कहा कि मैंने 100 नम्बर की जो व्यवस्था की थी उसे भी बाबा मुख्यमंत्री ने खराब कर दिया. अखिलेश ने कहा कि इन्होंने कानून व्यवस्था बिगड़ दी।

सोनिया ने भरा पर्चा, कहा अजेय नहीं है मोदी

रायबरेली (एजेंसी)।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरूवार को अपने परम्परागत संसदीय क्षेत्र रायबरेली में सत्रहवीं लोकसभा के लिये नामांकन किया। रायबरेली से चार बार चुनाव जीत चुकी श्रीमती गांधी ने नामांकन से पहले रोड शो कर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव पुत्री प्रियंका गांधी वाड्रा साथ थे। आत्मविश्वास से लबरेज संप्रग अध्यक्ष पर्चा भरने के बाद अपनी पांचवी जीत के प्रति आश्वस्त नजर आयी। उन्होने कहा कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव को जीतकर सरकार बनाने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनके अजेय रहने संबंधी एक सवाल के जवाब में श्रीमती गांधी ने कहा, वर्ष 2004 को मत भूलिए तब वाजपेयी जी भी अजेय लग रहे थे, लेकिन हम जीत थे। इस बार भी कुछ ऐसा ही होने वाला है। संप्रग अध्यक्ष के रोड शो में समर्थकों की भारी भीड़ थी। रोड शो के दौरान समर्थक नारे लगा रहे थे इस बार पांच लाख पार। मतलब पांचवी बार इस संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड रही श्रीमती गांधी की जीत का अंतर पांच लाख वोटों से अधिक होगा। सोनिया इससे पहले 2004,2006,2009 और 2014 के चुनाव में जीत हासिल कर चुकी हैं। इनमें 2006 में उन्होने उपचुनाव में विजय अर्जित की थी। गौरतलब है कि श्रीमती गांधी का यहां सीधा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह से है जो कुछ ही समय पहले कांग्रेस से अलग होकर भाजपा में शामिल हुए हैं। समाजवादी पार्टी (सपा)-बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) गठबंधन ने इस सीट पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। इससे पहले बुधवार को पड़ोसी जिले अमेठी में श्रीमती गांधी के पुत्र और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पर्चा भरा था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राफेल मामले को लेकर धांधली के गंभीर आरोप लगाये थे। श्री गांधी के मुकाबले गुरूवार को भाजपा प्रत्याशी के तौर पर केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने नामांकन दाखिल किया है।

पणजी विधानसभा से मनोहर परिकर के बेटे को टिकट देने पर बीजेपी ने साधी चुप्पी

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री रहे मनोहर परिकर के गत महीने हुए निधन से रिक्त हुई पणजी विधानसभा सीट पर 19 मई को प्रस्तावित उपचुनाव में उनके पुत्र उत्पल पारिकर को सत्तारूढ़ भाजपा से टिकट मिलने की प्रबल संभावनाओं के बीच पार्टी ने बृहस्पतिवार को कहा इस सीट के लिए ''कुछ नामों'' पर चर्चा की गई है. भाजपा की गोवा इकाई के प्रवक्ता दामोदर नाइक ने बताया, ''भाजपा पणजी उपचुनाव की तैयारी कर रही है और प्रत्याशी का चयन शीघ्र किया जाएगा.'' उन्होंने कहा कि संभावित प्रत्याशियों की तालिका तैयार कर ली गई है और अंतिम नाम पर मोहर पार्टी की चयन समिति एवं संसदीय बोर्ड लगायेगा. उत्पल पारिकर के नाम को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कुछ नामों पर चर्चा हुई है और जल्द ही इसके बारे में बता दिया जायेगा. उत्पल (38) अमेरिका से परास्नातक और पेशे से व्यापारी हैं. जल्द ही इसके बारे में बता दिया जायेगा. उत्पल (38) अमेरिका से परास्नातक और पेशे से व्यापारी हैं. वह इस पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं हो सके. मनोहर पारिकर का 17 मार्च को निधन हो गया था।

विपक्ष को डर है कि मोदी की वापसी से भ्रष्टाचार की दुकानें बंद हो जाएंगी

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस-नीत विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि महामिलावटी गैंग को डर है कि सत्ता में मोदी की वापसी से भ्रष्टाचार और वंशवाद की दुकानें बंद हो जाएंगी. बिहार के भागलपुर जिले में आयोजित रैली में संबोधन की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा कि आपने अपने इस प्रधानसेवक को बीते पांच साल जो सेवा का मौका दिया है, उसने नामुमकिन को भी मुमकिन बना दिया है. विपक्ष की आलोचना करते हुए मोदी ने सवाल किया, नेताओं को अपने आंगन तक चकाचक सड़के पहुंचाते आपने देखा है? बिहार के गांव-गांव तक सड़के पहुंचाने का बीड़ा आपके इस चौकीदार ने उठाया है. विपक्ष पर डरे होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, मोदी जब फिर आएगा तो इनकी भ्रष्टाचार की दुकानें पूरी तरह बंद हो जाएंगी. वंशवादी राजनीति के दिन लद जाएंगे. रक्षा सौदों की इनकी दलाली बंद हो जाएगी. गरीबों के नाम पर इनकी ठगी बंद हो जाएगी. टुकड़े-टुकड़े गैंग ही टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर जाएगा. केन्द्र द्वारा विद्युतीकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए उन्कोंने कहा, 70 साल तक आपने लाल बत्ती का रौब देखा, लेकिन गरीब के घर बत्ती जले इसकी चिंता पहले किसी ने नहीं की.

एनडीए की सरकार ने बिहार में गरीब के घर बत्ती पहुंचाने का काम किया. उन्होंने गरीबों के लिए पक्का मकान, रसोई गैस कनेक्शन और स्वास्थ्य बीमा के लिए अयुष्मान योजना का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि 23 मई के चुनाव नतीजे के बाद फिर एक बार मोदी सरकार बनेगी. देश के छोटे और सीमांत किसानों को 60 वर्ष की आयु के बाद नियमित पेंशन का हमारा संकल्प है. अब किसान को भी पेंशन मिलेगी. शांति की बात भी वही कर सकता है जिसकी भुजाओं में दम होता है एक बार फिर राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए।

लोकसभा चुनाव को लेकर लोग उत्साहित, भाजपा के लिए अच्छे संकेतः नकवी

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

ट भाजपा ने लोकसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान को बेहद उत्साहवर्धक बताया। उन्होंने कहा कि लोग जुनून और जज्बे के साथ मतदान कर रहे हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिश्रम और कामकाज के लिये है और भाजपा एवं राजग के लिये अच्छा संकेत है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने संवादाताओं से कहा कि 91 सीटों पर अभी तक जिस जुनून और जज्बे के साथ लोगों ने मतदान में हिस्सेदारी की है, वह बेहद उत्साहवर्धक है।

देश में मतदान उत्साहवर्धकः सीतारमण

नकवी ने कहा कि ये जुनून और जज्बा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिश्रम और कामकाज के लिये है जोरिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म की सोच पर चलने वाली है और इसमें देश के लोगों का पूरा विश्वास है। इससे पहले रक्षा मंत्री एवं भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने कहा कि भाजपा एवं राजग कार्यकर्ताओं से जो जानकारी मिली है, उससे स्पष्ट होता है कि अच्छा मतदान हो रहा है। चुनाव आयोग के आह्वान पर अच्छी खासी संख्या में लोग मतदान करने आ रहे हैं। माहौल उत्साहवर्धक है और ऊर्जा से ओतप्रोत है। गर्मी के बावजूद मतदाता बड़ी संख्या में आ रहे हैं। भाजपा और राजग कार्यकर्ता काफी उत्साहित है और चीजें राजग के पक्ष में लग रही है।

भाजपा ने लोगों को किया जागरूकः नकवी

पश्चिम बंगाल में हो रहे मतदान का जिक्र करते हुए नकवी ने कहा कि वहां स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय मुक्त माहौल में चुनाव हो इसके लिए भाजपा चुनाव आयोग में अपनी बात रखती रही है और लोगों को भी जागरूक करती रही है । उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद तृममूल कांग्रेस की गुंडागर्दी आज भी कई स्थानों पर खुलकर दिखी है। कूचबिहार के कुछ बूथों पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने मतदाताओं को मताधिकार के प्रयोग से रोका और हिंसा की। यहां तक कि महिलाओं को भी वोट डालने से रोका गया।

तृममूल कांग्रेस पर लगाए आरोप

भाजपा नेता ने कहा कि इस संबंध में पार्टी की राज्य इकाई ने पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से शिकायत की है। इसके अलावा विशेष पर्यवेक्षक तथा पुलिस पर्यवेक्षकों से भी शिकायत की गई है और उन बूथों के बारे में जानकारी दी गई है जहां लोगों को कथित तौर पर मतदान करने से रोका गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान केंद्रीय बलों की उपयुक्त ढंग से तैनाती होनी चाहिए लेकिन राज्य सरकार की ओर से किसी न किसी रूप में बाधा डाली जा रही है। इस बारे में भाजपा शुक्रवार को चुनाव आयोग से शिकायत करेगी और कुछ अन्य विषयों को भी आयोग के समक्ष रखेगी ।

मायावती दलितों को ठगने में लगी हैंः भाजपा

देवरिया (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती कभी दलितों की हितैषी नहीं रही हैं और वह उन्हें ठगने में लगी हैं। श्री पाण्डेय गुरुवार को यहां जीआईसी के मैदान में पार्टी के महिला सम्मेलन और साइबर योद्धा सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में आज दो तरह की राजनीतिक परिस्थितियां खड़ी हैं। एक तरफ कुछ लोग राजनीति में आकर तरह-तरह के प्रलोभन देने के साथ जाति-पाति एवं सम्प्रदाय के नाम राजनीति करने वालों का चरित्र है, तो दूसरी ओर भाजपा है जो सबका साथ सबका के विकास के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने बगैर नाम लिये विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोगों को सत्ता दौलत और हवेलियों आदि के लिये चाहिए जबकि भाजपा की राजनीति देश और समाज के विकास के लिये होती है। उन्होंने मायावती पर आरोप लगाते हुये कहा कि प्रदेश में जो महाठग गठबंधन बना है। वह केवल सत्ता पाने के लिये बनाया गया है। श्री पाण्डेय ने सवाल उठाते हुए कहा कि सुश्री मायावती कौन सी फैक्ट्री चलाती हैं कि वे 46 करोड़ रूपये प्रति वर्ष आयकर देती हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐसा कौन सा काम कर रहे हैं कि सन 2012 से 2017 के बीच लखनऊ में 300 कमरों का होटल बनवाते हैं। इसका जवाब इन दोनों नेताओं को जनता के बीच देना चाहिए। कांग्रेस पर हमलावर होते हुये श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस का देश में भ्रष्टाचार का एक बड़ा रिकार्ड रहा है। ये परिवार की राजनीति करते हैं जबकि देश के नेता नरेंद्र मोदी का अपना कोई परिवार नहीं है,लेकिन देश के करीब 130 करोड़ लोग उनका परिवार हैं। इसी तरह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अपना कोई परिवार नहीं है। प्रदेश के 23 करोड़ लोग उनके अपने परिवार हैं। उन्होंने दलितों के नाम पर राजनीति करने वाली सुश्री मायावती पर तंज कसते हुए

केंद्र सरकार के मुखिया को सवालों से बचना नहीं चाहिएः सिब्बल

इंदौर (एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने आज कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार के मुखिया से ही सवाल पूछे जाएंगे और उन्हें इन सवालों से बचने का प्रयास नहीं करना चाहिए। सिब्बल ने यहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि सरकार के मुखिया स्वयं को चौकीदार कहते हैं, तो सवाल उनसे ही पूछे जाएंगे। देश के विभिन्न बैंकों का पैसा हजम करने के आरोपियों विजय माल्या और नीरव मोदी से संबंधित सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि इसमें महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि ये आरोपी देश से भाग कैसे निकले। यह सवाल तो चौकीदार से पूछा ही जाएगा और उन्हें जवाब देना चाहिए। राफेल लड़ाकू विमान सौदे से संबंधित सवालों के जवाब में सिब्बल ने कहा कि सुरक्षा संबंधी और गोपनीयता का हवाला देकर केंद्र सरकार सवालों का जवाब देने से बच नहीं सकती है। उन्होंने कहा कि आखिर इस मामले में किए बचाने का प्रयास किया जा रहा है। एक अन्य सवाल के जवाब में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि पुलवामा में आतंकवादी हमला करने में सफल कैसे हो गए, यह भी सोच का विषय है। क्या इस प्रकरण में केंद्र अपनी जवाबदेही से बच सकती है। क्या स्वयं को चौकीदार बताने वालों को इन सब सवालों के जवाब नहीं देना चाहिए।

सिब्बल यहां राज्य उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में आयकर छापे के दायरे में आए मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी प्रवीण कक्कड़ से जुड़े मामले में दायर याचिका की पैरवी करने आए थे।

संपादकीय

फिर राफेल

आने वाले समय में राफेल विमान खरीद मामला न केवल चर्चा में रहने वाला है, बल्कि इसकी राजनीति भी शायद जारी रहेगी। राफेल सौदे में अनियमितता की शिकायत करने वाली पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई की पहली अड़चन दूर हो गई है। याचिकाकर्ताओं द्वारा पेश तीन दस्तावेजी सुबूतों को सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से स्वीकार कर लिया है और आगामी दिनों में इन याचिकाओं पर सुनवाई की तिथि तय हो जाएगी। यह उन लोगों के लिए पहली और छोटी जीत है, जिनको राफेल सौदे से शिकायत है। दूसरी ओर, सरकार के सामने यह सिद्ध करने की चुनौती बढ़ गई है कि सौदा पारदर्शी है। ताजा फैसले का यह भी अर्थ है कि केंद्र सरकार को 14 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में जो शुरुआती और बड़ी जीत हासिल हुई थी, उसका आधार तकनीकी था। अब पुनर्विचार के विरुद्ध केंद्र सरकार की जो दलीलें थीं, उनका आधार भी तकनीकी ही था। फोटोकॉपी या गोपनीय दस्तावेज को सुबूत न मानने की केंद्र सरकार की दलील को प्रारंभिक रूप से खारिज होने का अर्थ है कि आगामी सुनवाई पर केंद्र सरकार के वकील को ज्यादा तैयारी के साथ आना पड़ेगा। राफेल सौदे की जांच और सुनवाई के पक्षधर याचिकाकर्ताओं की दलीलें ऐसी थीं, जिनका सामना केंद्र सरकार के वकील नहीं कर सके। फिलहाल राफेल एक बड़ा मामला बन चुका है, जिस पर पारदर्शी दिखने के लिए सरकार को ठोस तथ्य पेश करने पड़ेंगे। सरकार के पास किन्हीं सूचनाओं को गोपनीय रखने का विशेषाधिकार अवश्य होना चाहिए, लेकिन यह विशेषाधिकार किसी बड़े सत्य या असत्य के आड़े नहीं आना चाहिए। राफेल सौदे में आखिर क्या हुआ है, इसमें देश की दिलचस्पी अब और बढ़ गई है। हालांकि इसका राजनीतिक इस्तेमाल उन नेताओं के भी अनुकूल रहेगा, जिनकी रुचि परंपरागत रूप से पारदर्शिता में कम ही रही है। अगर रक्षा खरीद सौदे में सरकार की नीति और प्रक्रिया पूरी पारदर्शी होती, तो यह नौबत ही नहीं आती। मामला बोफोर्स का हो या राफेल का, एक के बाद एक हमारी सरकारों की अपारदर्शिता और विशेषाधिकारों की गोद में ही शक की गुंजाइशें पैदा होती हैं। यह हमारे देश की एक ऐसी दुखती रग है, जिसका दर्द हमारी सरकारें सिलसिलेवार झेलती आई हैं, लेकिन पुख्ता इलाज कराने की चिंता किसी को नहीं रही। नतीजे सामने हैं, किसी के पास बोफोर्स है, तो किसी के पास राफेल। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि किसी सत्य की संभावना यदि फोटोकॉपी या प्रतिलिपि में भी है, तो उसे स्वीकार किया जा सकता है। चोरी हुए गोपनीय दस्तावेजों की फोटोकॉपी भी साक्ष्य के रूप में प्रारंभिक रूप से स्वीकार्य हो सकती है। क्या इसी आधार पर विकीलीक्स और पनामा पेपर्स जैसे साक्ष्यों का महत्व नहीं बढ़ जाएगा? यह बात लोकतंत्र के उन वीरों के पक्ष में होगी, जो सत्य या पारदर्शिता के लिए लड़ रहे हैं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के राजनीतिक इस्तेमाल की आशंका या संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता, मगर देश और देशवासियों का व्यापक हित इसमें है कि एक पुख्ता खरीद नीति और प्रक्रिया बने, ताकि शक की कोई गुंजाइश न छूटे। क्या ऐसा कोई वादा किसी राजनीतिक पार्टी ने किया है?

ट्वीट

वोट

चाहे वोट देने का फैसला करना हो चाहे वोट मांगना हो, लोकतंत्र के ये दोनों मूलाधार व्यक्तिगत होने चाहिए। दोनों में परिवार, बिरादरी, क्षेत्र, जाति, धर्म का न कोई प्रभाव होना चाहिए न भूमिका। आदर्श है कि वोटर निजी विवेक तथा प्रत्याशी निजी चरित्र और काम के आधार पर वोट डाले और मांगे।

राहुल देव, वरिष्ठ पत्रकार

बलिदान के सौ साल से मिले सबक

विश्वनाथ सचदेव

कहते हैं जो इतिहास को भूल जाते हैं, वे इतिहास से कुछ नहीं सीख पाते! ज़रूरी है इतिहास से सीखना ताकि हम पुरानी भूलों को दुहरायें नहीं और पुरानी उपलब्धियों से प्रेरणा ले सकें। वर्ष 2019 का हमारे इतिहास से एक विशेष रिश्ता इस माने में है कि आज से सौ साल पहले यानी 1919 में हमारे इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया था-आज़ादी की लड़ाई के इतिहास का एक निर्णायक मोड़ था वह वर्ष। दो घटनाएं हुई थीं वर्ष 1919 में। पहली तो यह कि इसी वर्ष मार्च में रोलेट एक्ट नाम से हमारे विदेशी हुक्मरानों ने एक काला कानून बनाया था, जिसके विरोध में गांधीजी के नेतृत्व में देश में एक आंदोलन उठ खड़ा हुआ था। गांधीजी ने सरकार से असहयोग करने का एक मंत्र दिया देश की जनता को। वर्ष 1857 की क्रांति के बाद यह स्वतंत्रता संग्राम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अध्याय था। इतने बड़े पैमाने पर एक आंदोलन में आम जनता की भागीदारी पहले कभी नहीं हुई थी। दूसरी घटना जो उस वर्ष में घटी वह जलियांवाला बाग में अंग्रेज जनरल द्वारा किया गया नरसंहार था, जिसमें दस मिनट के गोली चालन में सरकारी आंकड़ों के अनुसार तीन सौ से कुछ अधिक और जानकारों के अनुसार एक हज़ार से अधिक लोग मारे गये थे! यह हत्याकांड हमारी आज़ादी के संघर्ष का एक ऐसा अध्याय था, जिसे लिखने में सारा देश एक उद्देश्य से जुट गया था। आज देश रोलेट एक्ट और जलियांवाला बाग़ कांड की शताब्दी मना रहा है। गांधीजी की डेढ़ सौवीं जयंती के वर्ष ने हमारे इतिहास के उस पृष्ठ को और महत्वपूर्ण बना दिया है। यह अवसर विश्व-इतिहास में गांधीजी के योगदान को एक बार फिर से आंकने का तो है ही, रोलेट एक्ट और अमृतसर के जलियांवाला बाग़ कांड के संदर्भ में इस बात को रेखांकित करने का भी है कि स्वतंत्रता की लड़ाई के यज्ञ में आहुति देने वालों को याद करते रहना ज़रूरी है। तभी हम अपनी स्वतंत्रता की रक्षा की लड़ाई लड़ते रह सकते हैं। उस दिन मुंबई के मणि भवन में इसी रोलेट एक्ट, असहयोग आंदोलन और जलियांवाला बाग़ की घटनाओं को याद करने के लिए इतिहास के कुछ पुराने पन्नों को पलटने का अवसर आयोजित किया गया था। ज्ञातव्य है कि मुंबई में अरब सागर के किनारे बसे गामदेवी इलाके के इसी भवन से गांधीजी ने सौ साल पहले असहयोग आंदोलन की शुरुआत की थी। यह जानना भी ज़रूरी है कि वर्ष 1917 से लेकर 1934 तक, सत्रह वर्ष यह भवन गांधीजी की गतिविधियों का केंद्र था। अपने एक मित्र के इसी दुमंजिले मकान में गांधीजी ने आज़ादी की लड़ाई के महत्वपूर्ण दौर की पटकथा लिखी थी। आज यह भवन राष्ट्रपिता की याद को समर्पित संग्रहालय है जहां रोज़ न जाने कितने ही विदेशी और भारतीय पर्यटक इतिहास को जीने और उससे प्रेरणा लेने के लिए आते हैं। उस दिन इसी भवन में असहयोग आंदोलन की शताब्दी के अवसर पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी थी। उसमें चर्चा का विषय था -प्रतिरोध के सौ साल। वैसे, बलिदान के सौ साल कहकर भी इतिहास के उस महत्वपूर्ण अध्याय को याद किया जा सकता था, पर मुझे लगता है, बलिदान की जगह प्रतिरोध को चर्चा के केंद्र में रखने का निर्णय इस दृष्टि से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था कि बात इतिहास को याद करने तक ही सीमित नहीं थी, इतिहास के आलोक में वर्तमान को संवारने और भविष्य को आकार देने की भी थी। 1919 में पारित रोलेट एक्ट एक काला कानून था और इसके माध्यम से एक काला अध्याय रचा गया था। एनार्किकल एण्ड रिवोल्यूशनरी क्राइम एक्ट के नाम से पारित इस कानून ने ब्रिटिश सरकार को ऐसे अधिकार दे दिये थे कि इस कानून के अंतर्गत सरकार कुछ भी कर सकती थी, और सरकार के अन्याय के खिलाफ न कोई दलील दी जा सकती थी, न वकील कोई अपील कर सकता था। रोलेट एक्ट अर्थात न वकील, न दलील, न अपील! इस कानून में तत्कालीन सरकार को किसी को भी बिना वांरट बंदी बनाने, प्रेस पर नियंत्रण रखने, धार्मिक और राजनीतिक गतिविधियों में भाग न लेने देने का असीमित अधिकार प्राप्त था। उद्देश्य स्वतंत्रता-आंदोलन को दबाना था। गांधीजी ने इसी का प्रतिरोध किया। गांधीजी ने कहा-अन्याय का प्रतिरोध करना मेरा अधिकार है, कर्तव्य भी। बाद में आंदोलन के कुछ हिंसक हो जाने के कारण गांधीजी ने इसे वापस ले लिया। कांग्रेस के भीतर भी गांधीजी के इस कदम का विरोध हुआ। नेता चाहते थे, लोहा गरम है, वार करने का सही अवसर है। पर गांधीजी नहीं माने। विवश होकर जनता ने उनकी बात मान ली। पर ग़लत के प्रतिरोध के अधिकार वाली बात ने देश की जनता को एक नयी ताकत और एक नया मकसद दे दिया था। हकीकत यह है कि यह प्रतिरोध आज़ादी की लड़ाई का ही एक कारगर हथियार नहीं था, बल्कि आज़ादी को बनाये रखने का भी एक कारगर हथियार है। ग़लत को स्वीकार न करना और उसके खिलाफ सक्रिय होना-रहना एक ऐसा जनतांत्रिक मूल्य है, जिसकी उपेक्षा का मतलब जनतंत्र के साथ ग़द्दारी करना है। सच तो यह है कि सौ साल पहले महात्मा गांधी ने हमें यह हथियार देकर जनतंत्र में नागरिक के कर्तव्य को ही याद दिलाया था। तब गांधीजी के आह्वान पर विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल-कॉलेज छोड़ दिये थे, वकीलों ने अदालतों का बहिष्कार कर दिया था। अन्याय के खिलाफ एक अनोखी लड़ाई थी यह। तीस हज़ार से अधिक लोग गिरफ्तार हुए थे उस समय।

इस सारे इतिहास को याद करने, याद रखने का अर्थ यह है कि हम जनतंत्र में प्रतिकार की महत्ता को याद रखें। सौ साल पहले विदेशी शासन था, आज हमारा अपना शासन है। ज़रूरी है कि हमारा अपना शासन जनता के अधिकारों के प्रति अनदेखी करने की धृष्टता न करे। प्रतिरोध हमारा अधिकार भी है, और हमारा कर्तव्य भी। यह बात विदेशी शासन में जितनी लागू होती है, अपने शासन में उससे कहीं अधिक लागू होती है। जिस जनतांत्रिक प्रणाली को हमने अपने लिए स्वीकार किया है, उसमें जनता की भागीदारी का मतलब सिर्फ वोट देना नहीं होता। इस भागीदारी की सार्थकता तभी है जब जनता प्रतिरोध के अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक हो। सौ साल पहले उठाया गया रोलेट एक्ट वाला कदम हर दृष्टि से ग़लत था। गांधीजी के नेतृत्व में उस काले कानून का विरोध करके हमने एक ग़लत को सही करने की मांग की थी। आज भी हमारी चुनी हुई सरकार यदि कुछ ग़लत करती है, हमारा नेतृत्व कुछ ग़लत करता है तो उसका प्रतिरोध ज़रूरी है। हमारा इतिहास इस बात का साक्षी है। ज़रूरत यह है कि हम इतिहास को भूलें नहीं, कुछ सीखें उससे। हमें यह भी याद रखना होगा कि सौ साल पहले अंग्रेजों ने हमारी असहमति को राजद्रोह कहा था। आज हम जानते हैं असहमति जनतंत्र का रक्षा-कवच है। इसे राजद्रोह या राष्ट्रद्रोह समझने वाले जनतंत्र में प्रतिकार के अधिकार और कर्तव्य को ही नकारते हैं। यह नितांत अस्वीकार्य स्थिति है—इतिहास से कुछ न सीखने का उदाहरण भी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

आत्म विश्लेषण

श्री राम आर्चाय

आत्म विश्लेषण का अर्थ है प्रवृत्तियों के मूल कारण की तलाश करना। अर्थात द्वेषपूर्ण भावनाएं जिस आधार पर उठीं, उस आधार को ढूंढ़ना और उसे नष्ट करना। आत्म निरीक्षण का अर्थ है अपने विचारों और कायरे की न्यायपूर्ण समीक्षा करना। बुराइयां पक्षपातपूर्ण विचार पद्धति के कारण ही उठती हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी भूल है कि वह जिस वस्तु को चाहता है, उसे किसी न किसी भूमिका के साथ टिका देता है। इसी को विचार और कायरे का पक्षपात कहते हैं। जैसे बीड़ी, सिगरेट या अन्य मादक पदार्थ सेवन करने वालों की दलील रहती है कि उससे उन्हें शांति मिलती है, मानसिक तनाव दूर होता है। कई तो यहां तक कहते हैं कि बीड़ी, सिगरेट न पिएं तो पाचन क्रिया ठीक से काम नहीं करती। पर यदि कठोरतापूर्वक विचार करें तो यह स्पष्ट दिखता है कि शराब, सिगरेट के पक्ष में जो दलीलें देते रहते हैं, वे सर्वथा निस्सार हैं। यह तो मन बहलाव के लिए गढ़ी बातें हैं। वस्तुत- उनसे मानसिक परेशानियां तथा स्वास्य और पाचन पण्राली में शिथिलता ही आती है। हम अपने गुण-दोष देखने में जब तक ईमानदारी और सच्चा दृष्टिकोण नहीं अपनाते, संस्कार परिवर्तन में तभी तक परेशानी रहती है। मनुष्य आत्म दुर्बल तभी तक रहता है, जब तक वह आत्म विवेचन का सच्चा स्वरूप ग्रहण नहीं करता। झूठे प्रदर्शनों और स्वार्थपूर्ण आचरण के कारण ही जीवन में परेशानियां आती हैं। सच्चाई की मस्ती ही अनुपम है। उसकी एक बार जो क्षणिक अनुभूति कर लेता है, वह उसे जीवनपर्यन्त छोड़ता नहीं। सत्य मनुष्य को ऊंचा उठाता है, साधारण स्थिति से उठाकर परमात्मा के समीप पहुंचा देता है। सत संस्कारों का बल, कुसंस्कारों की अपेक्षा अनंत गुना अधिक होता है किंतु कुसंस्कारों में जो क्षणिक सुख और तृप्ति दिखाई देती है, उसी के कारण लोग दुष्कर्मो की ओर जल्दी खिंच जाते हैं। अतएव जब कभी ऐसे अनिष्टकारी विचार मस्तिष्क में उठें तब उनसे भागने या शीघ्र निर्णय का प्रयत्न करना चाहिए। किसी बुराई से डरने या भागने से वह जीवन का अंग बन जाती है किंतु जब हम विचारों में मौलिक परिवर्तन करते हैं, बुराई की गहराई तक छानबीन करते हैं तो अन्त-करण की दिव्य ज्योति के समक्ष सच और झूठ की स्वत- अभिव्यक्ति हो जाती है।

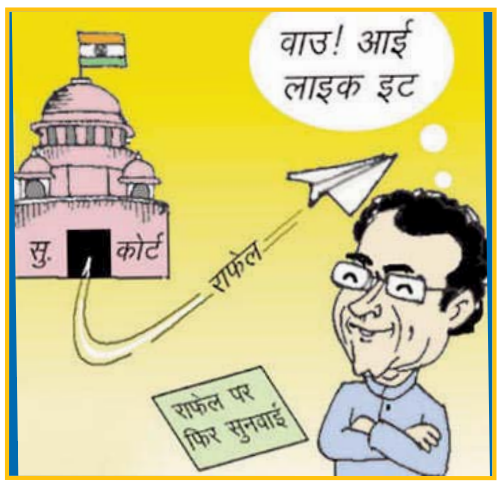

आज का राशिफल

मेष	व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।
वृषभ	पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
मिथुन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कर्क	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे
सिंह	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।
वृश्चिक	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।
धनु	आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।
मकर	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।
मीन	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

यथार्थ के धरातल पर भी खरे उतरें

चुनावी वादे/ सतीश सिंह

चुनावी घोषणा पत्र महज वादों का पिटारा नहीं होना चाहिये। इसमें देश के विकास की वैसी तस्वीर पेश की जानी चाहिये, जिसे मूर्त रूप दिया जा सके, लेकिन पूर्व के चुनावों में विविध पार्टियों द्वारा किये गये अधिकांश वादे पूरे नहीं किये गये हैं। बहरहाल, चुनावी रणभूमि में देश की दोनों प्रमुख पार्टियां-भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने घोषणा पत्र को पेश कर दिया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र का नाम दिया है जबकि कांग्रेस ने न्याय। भाजपा ने घोषणा पत्र में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35-ए को समाप्त करने की बात कही है। भाजपा का कहना है कि इससे गैर स्थायी निवासियों और महिलाओं को राहत मिलेगी। भाजपा ने केंद्रीय सुरक्षा बलों को सशक्त बनाने की बात भी अपने घोषणा पत्र में कही है। इन वादों को पूरा किया जा सकता है क्योंकि इसके लिये केवल बहुमत और इच्छा शक्ति की जरूरत है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा है कि वह सत्ता में आने पर राजद्रोह के अपराध को परिभाषित करने वाली भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124-ए को खत्म कर देगी। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में सशस्त्र बल विशेष अधिकार कानून 1958 में संशोधन लाने की भी बात कही है। कांग्रेस का मानना है कि इससे सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच संतुलन बना रहेगा, लेकिन ऐसे प्रावधान देश हित में उचित नहीं प्रतीत होते। भाजपा ने सभी गरीब परिवारों को एलपीजी गैस सिलेंडर मुहैया कराने का वादा किया है। वह प्रत्येक परिवार को पक्का घर देने की भी बात कह रही है। वह सभी घरों में बिजली-पानी और शौचालय उपलब्ध कराना चाहती है। उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का काम किया गया है। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जिसे सौभाग्य के नाम से भी जाना जाता है, का आगाज सितंबर, 2017 में किया गया था। देश में वर्ष 2018 के अंत में 25 राज्यों के घरों में 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक अब, केवल 10.48 लाख घरों को 4 राज्यों अर्थात असम, राजस्थान, मेघालय और छत्तीसगढ़ में विद्युतीकृत किया जाना बाकी है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण का आगाज 2 अक्तूबर, 2014 को गांधी जयंती के दिन किया गया था। उस समय खुले में शौच से मुक्त घरों की संख्या केवल 38.70 प्रतिशत थी, जो 31 जनवरी, 2019 तक बढ़कर 98.84 प्रतिशत हो गई। इस तरह, गैस सिलेंडर, बिजली और शौचालय की सुविधा आम लोगों को उपलब्ध करायी जा सकती है। हां, पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने में भाजपा को कुछ मुश्किलों का सामना जरूर करना पड़ सकता है। कांग्रेस न्याय यानी न्यूनतम आय योजना के तहत 5 करोड़ परिवारों या 25 करोड़ लोगों को 72 हजार रुपये चिन्हित परिवारों के खाते में हर वर्ष सीधे जमा करने की बात कह रही है, लेकिन इस योजना को लागू करने के लिये हर साल 36 खरब रुपयों की जरूरत होगी, जिसकी व्यवस्था करने के लिये मौजूदा सरकारी योजनाओं जैसे मनरेगा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदि को बंद करना होगा। अगर ऐसा किया जायेगा तो लोगों के बीच अविश्वास का माहौल कायम होगा। चूंकि, मौजूदा योजनाओं को बंद करना संभव नहीं है। भाजपा ने घोषणा पत्र में वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने की बात कही है। वह 1 लाख तक के किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेने पर पांच साल तक के लिये ब्याज मुक्त करने की बात कह रही है। वह ग्रामीण विकास पर 25 लाख करोड़ रुपये खर्च करना चाहती है। जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल करना चाहती है। पांच सालों तक ब्याज मुक्त किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज, ग्रामीण विकास पर खर्च या जमीन के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, छोटे एवं सीमांत किसानों को पेंशन देना आदि संभव है। इसे बजट प्रबंधन के जरिये पूरा किया जा सकता है। कांग्रेस किसानों के लिये अलग से बजट लाने की बात कह रही है। कर्ज नहीं चुकाने पर किसानों के खिलाफ आपराधिक मामले की जगह सिविल मामला चलाने की बात भी कांग्रेस कह रही है। वह महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत काम देने के दिनों को 100 से बढ़ाकर 150 करना चाहती है। भाजपा अर्थव्यवस्था से जुड़े 22 बड़े क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसर पैदा करने की बात कह रही है। पूर्वोत्तर राज्यों में रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिये वह नई योजना लेकर आना चाहती है। जबकि कांग्रेस मार्च 2020 तक 22 लाख सरकारी नौकरी मुहैया कराने की बात कह रही है। कहा जा सकता है कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में वैसे वादे किये हैं, जिन्हें पूरा किया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस का न्याय का रास्ता इतना आसान नहीं है। उनके अधिकांश वादे यथार्थ के धरातल पर खरे नहीं उतरते।

इमोशनल फिटनेस

युवाओं में जिम ज्वॉइन करने का बड़ा क्रेज है। जिसे देखो वही जिम जा रहा है,कोई तरह-तरह की कसरतें कर रहा है,तो कोई दौड़ लगा रहा है। युवा ही क्यों बच्चे और बूढ़े भी अपनी शारीरिक फिटनेस के लिए खूब सक्रिय रहने लगे हैं।

इमोशनल फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी चर्चित किताब इमोशनल फिटनेस-डिस्कवरिंग अवर नैचुरल हीलिंग पावर में लेखिका जेनिस बर्गर ने लिखा है,आप चाहे जितनी एक्सरसाइज करें,सब व्यर्थ है,अगर आप अपनी आंतरिक अनुभूतियों के सम्पर्क में आने से डरते हैं और एंग्जाइटी जैसी विपदाओं से घबरा जाते हैं क्योंकि ये चीजें आपको कमजोर करती हैं।

न दबाएं भावनाएं

हमारा सामाजिक ढांचा हमें अपनी भावनाओं को दबाकर रखना सिखाता है। हमें अपना दर्द और अपनी तकलीफें छिपाकर रखने को कहा जाता है। हमें कोई सवाल भीतर तक हिला डालता है और हम फिर भी उससे दूर रहने की कोशिश करते हैं।

जरा सोचिए आपके शरीर में विषाक्त तत्व इकट्ठा होते रहें और आप उनका समय-समय पर निष्कासन न करें तो क्या होगा? जाहिर सी बात है,हम बीमार पड़ जाएंगे। मन में दबी कुंठित,बुरी,उदासी भरी या अच्छी और उमंग भरी भावनाओं का भी उत्सर्जन या प्रकाशन न किया जाए,तो हम मानसिक रूप से ही नहीं शारीरिक रूप से भी अवश्य ही बीमार पड़ जाएंगे। क्योंकि मन स्वस्थ नहीं रहेगा,तो तन भी स्वस्थ नहीं रहेगा। भावनाओं के वेग और उद्वेग को दबाकर रखना ठीक नहीं है।

करिए इमोशनल वर्कआउट

अमरीका की दी इमोशनल फिटनेस एकेडमी के प्रबंध निदेशक पॉलबर्ड कहते हैं,दिखने में बिलकुल फिट नजर आने वाले एथलीट भी डिप्रेशन व अन्य मानसिक समस्याओं से पीडित हो जाते हैं। इमोशनल स्ट्रेंथ के बिना फिजिकल फिटनेस कोई काम की नहीं। लोग अच्छी अनुभूति पाने के लिए वर्क आउट करते हैं।

ऐसे पाएं इमोशनल फिटनेस

दस मिनट की इमोशनल जॉगिंग करें। दिमाग में सभी तरह के विचार आने दें। हंसें, मेडिटेट करें और रिलैक्स करें। कम से कम 15 मिनट लम्बी सांसें खींचे और बाहर फेंके।

दिमाग को बीती बातों या भविष्य की चिंताओं में न उलझने दें। संयमित मात्रा में दिवा स्वप्न देंखे। अपना आत्मविश्वास परखने के लिए समस्याएं सुलझाने की मानसिक कसरत करें।

रोज समीक्षा करें कि आपके पास क्या है और कौन सी खूबसूरत चीजें हैं।

आशावादी बनें और आप क्या कर सकते हैं,इस पर फोकस करें,सकारात्मक परिणामों की उम्मीद करें। अपनी दिनचर्या में कुछ पल अपने लिए भी निकालें,उस दौरान आप अपनी पसंद का कोई काम कर सकते हैं जैसे बागवानी करना,सामाजिक काम करना।

अपना कुछ समय बच्चों के साथ भी बिताएं।

फिटनेस की परिभाषा

कनाडा के बॉडी बिल्डर और फिटनेस एक्सपर्ट स्कॉट एबेल सच्ची फिटनेस को इस प्रकार परिभाषित करते हैं-दैनिक जीवन की जरूरतों और नियति की उलटफेर को आसानीपूर्वक निभा पाना। आपातकालीन स्थितियों में यदि अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता हो,तो आवश्यक ऊर्जा की कमी महसूस न करना।

त्वचा को चमकाएं चारोली अपनाए

चारोली का उपयोग अधिकतर मिठाई में जैसे हलवा, लड्डू, खीर, पाक आदि में सूखे मेवों के रूप में किया जाता है। इसका शरीर की सुंदरता कायम रखने में भी उपयोग किया जाता है। पेश है कुछ नुस्खे-

चमकती त्वचा - चारोली को गुलाब जल के साथ सिलबट्टे पर महीन पीस कर लेप तैयार कर चेहरे पर लगाएं। लेप जब सूखने लगे तब उसे अच्छी तरह मसलें और बाद में चेहरा धो लें। इससे आपका चेहरा चिकना, सुंदर और चमकदार हो जाएगा। इसे एक सप्ताह तक हर रोज प्रयोग में लाए। बाद में सप्ताह में दो बार लगाते रहें। इससे आपका चेहरा लगेगा हमेशा चमकदार।

मुंहासे - नारंगी और चारोली के छिलकों को दूध के साथ पीस कर इसका लेप तैयार कर लें और चेहरे पर लगाए। इसे अच्छी तरह सूखने दें और फिर खूब मसल कर चेहरे को धो लें। इससे चेहरे के मुंहासे गायब हो जाएंगे। अगर एक हफ्ते तक प्रयोग के बाद भी असर न दिखाई दे तो लाभ होने तक इसका प्रयोग जारी रखें।

गीली खुजली - अगर आप गीली खुजली की बीमारी से पीड़ित हैं तो 10 ग्राम सुहागा पिसा हुआ, 100 ग्राम चारोली, 10 ग्राम गुलाब जल इन तीनों को साथ में पीसकर इसका पतला लेप तैयार करें और खुजली वाले सभी स्थानों पर लगाते रहें। ऐसा करीबन 4-5 दिन करें। इससे खुजली में काफी आराम मिलेगा व आप ठीक हो जाएंगे।

शीत पित्ती - शरीर पर शीत पित्ती के ददोड़े या फुंसियां होने पर दिन में एक बार 20 ग्राम चिरौंजी को खूब चबा कर खाएं। साथ ही दूध में चारोली को पीसकर इसका लेप करें। इससे बहुत फायदा होगा। यह नुस्खा शीत पित्ती में बहुत उपयोगी है।

ऑक्सीजन ठीक करती है ब्रेन

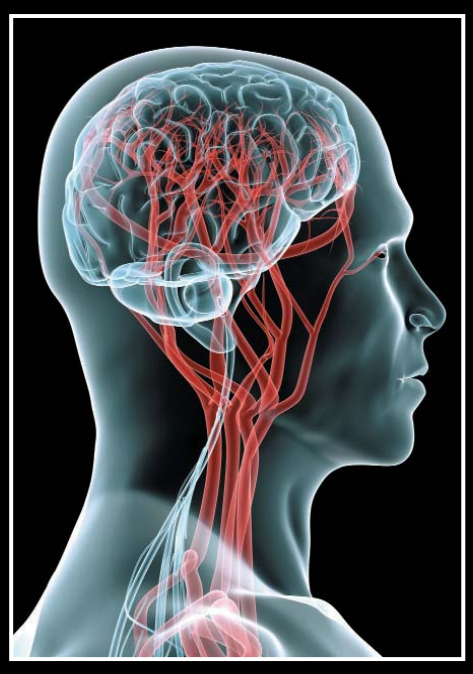

तेल अवीव के वैज्ञानिकों ने अपने नवीन अनुसंधान में पाया है कि ऑक्सीजन, स्ट्रोक, दुर्घटना, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से हुए ब्रेन डैमेज को पुन- ठीक कर देती है। तेल अवीव यूनीवर्सिटी में फिजिक्स और एस्ट्रोनोमी के प्रोफेसर इशेल बेन जैकब ने स्ट्रोक प्रभावित मरीजों को ऑक्सीजन से भरे चैम्बर्स में हाइपर बैनिक ऑक्सीजन थैरेपी(एचबीओटी)दी इससे उनके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ गई।

दो महीनों के उपचार के बाद उन मरीजों के ब्रेन की तस्वीरों के विश्लेषण करने पर पाया कि मस्तिष्क कोशिकाओं में उल्लेखनीय गतिविधी नोट की गई। लकवा पीड़ित मरीजों के हाथ पैरों में संवेदना लौट आई और उन्हें बोलने में भी आराम महसूस होने लगा।

इससे जो लोग अपनी दिनचर्या दूसरों के सहारे कर पाते थे वे अब अपने आप नहाने,खाना बनाने,सीढ़ियां चढ़ने लगे और किताबें पढ़ने में समर्थ हो गए। शाई इफ्राती के अनुसार मेटाबॉलिक गड़बड़ी की वजह से न्यूरोन जीवित तो रहते हैं,लेकिन उनमें पर्याप्त ऊर्जा के अभाव में वे इलेक्ट्रिक सिग्नल को पैदा नहीं कर पाते। एचबीओटी इन ब्रेन सेल्स में ऊर्जा पहुंचाने का काम करती है।

खुशबू से बनाएं निरोगी काया

सुगंध द्वारा चिकित्सा, आयुर्वेद का ही हिस्सा है,जिसे नई वैज्ञानिक शोधों के दौरान भुला दिया गया था,लेकिन आज फिर से इसे अपनाया जाने लगा है। यह एक प्राकृतिक तरीका है,जिसके न कोई साइड इफैक्ट्स हैं न आफ्टर इफैक्ट्स।

फूलों से रोग निदान

रोगों के निदान में पुष्प दवा का कार्य करते हैं। पुष्पों की सुगंध से जो अति सूक्ष्म परमाणु निकलते हैं वे स्वत- ही हमारी नासिका के द्वारा सांस नली में जाकर मस्तिष्क पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालते हैं,जो हमारे शरीर,मन और मस्तिष्क के लिए प्राकृतिक औषधि का कार्य करते हैं। पुष्पों के रंगों एवं विभिन्न प्रकार की सुगंध का सीधा-सीधा असर शरीर के विभिन्न भागों पर होता है,जो तनाव,अनिद्रा एवं थकान से भरे मानव शरीर एवं मस्तिष्क को सकारात्मक ऊर्जा एवं शांति प्रदान करती है।

पुष्पों की सुगंध,रंग तथा उनसे निर्मित उत्पादों के द्वारा जो चिकित्सा पद्धति अपनाई जाती है,उसे ही एरोमा-थैरेपी कहा जाता है। पेड़, पौधे, पत्तियां, जड़, तना, फल, फूल, सब्जियां, मसाले आदि से प्राप्त वस्तुओं से सत निकाला जाता है,जिसे इसेंशियल ऑयल कहते हैं। यह इतना असरदार होता है कि इसमें किसी रासायनिक तत्वों के मिश्रण की आवश्यक ता नहीं होती। ये एसेंशियल ऑयल एंटी सेप्टिक, एंटी बेक्टीरियल, एंटी वायरल, एंटीफंगस, एंटीरूमेटिक, एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटीन्यूरोलॉजिक, एंटीटॉक्सिक, एंटीडिपरेसेंट और डियो का काम करते हैं।

फूलों के औषधीय प्रयोग

गुलाब - गुलाब का गुलकंद पेट की गर्मी को शांत करता है तथा ह्रदय रोगों के लिए अच्छा है। आंखों में लाली,सूजन होने पर गुलाब जल से आंखें धोएं लाभ होता है।

गुड़हल - लाल गुड़हल का फूल का रस झड़ते हुए के शों के लिए अचूक दवा है। गुड़हल के फूल का रस बालों में 1 घंटे लगाकर बाल धो लें। यह बालों के लिए प्राकृतिक कलर का भी काम करेगा।

कमल - कमल के पुष्प का प्रत्येक अंग औषधि का कार्य करता है। कमल की डंडी की सब्जी खाने से शरीर में लौह तत्व का निर्माण होता है। कमल की पंखुडियों को पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की कान्ति बढ़ती है।

चमेली - चमेली के पुष्प से निर्मित तेल दंत रोग,चर्मरोग में फायदा होता है। फोड़े-फुंसी होने पर चमेली का तेल लगाने से लाभ मिलता है। चमेली के पत्ते चबाने से मुख की दुर्गध एवं मुंह के छाले दूर होते हैं।

केसर - केसर को त्रिदोषों ;वात-पित्त एवं कफ का शमन कर्ता कहा गया है। केसर का तिलक लगाने से मस्तिष्क को शांति मिलती है। हल्के गुनगुने दूध में केसर डालकर पीने से पुरानी खांसी एवं कफ दूर होता है तथा शरीर में बल,वीर्य,शक्ति एवं स्फूर्ति की वृद्धि होती है।

गेंदा - गेंदे के पीले फूलों को लिवर की सूजन,चर्म रोग एव पथरी रोगों में इसका प्रयोग लाभकारी होता है।

रात की रानी - रात की रानी का पौधा घर में लगाने से मच्छर इत्यादि घर में नहीं आते हैं। इसकी सुगंध से तनाव एवं अनिद्रा में राहत मिलती है।

शंखपुष्पी - शंखपुष्पी का प्रयोग स्मृतिवर्धक होता है। शंखपुष्पी के चूर्ण में मिश्री मिलाकर पीने से स्वास्थ्य,सुंदर मस्तिष्क एवं कुशाग्र बुद्धि की प्राप्ति होती है।

उपचार में फायदेमंद

एसेंशियल ऑयल तीन प्रकार से लाभदायक है। प्रथम खुशबू से,इनकी सुगंध से मस्तिष्क प्रभावित होकर फौरन सक्रिय हो जाता है। द्वितीय मसाज द्वारा यह त्वचा की भीतरी सतह तक पहुंचकर उसे ठीक करते हैं। तृतीय ये मूड एलीवेटर का काम करते हैं। एसेंशियल ऑयल के प्रयोग से कई पकार के दर्द दूर किए जाते हैं। यह उपचार का एक प्राकृतिक तरीका है, जिसके साइड इफैक्ट्स नहीं होते।

चुनाव आचार संहिता भंग करने की जीतू भाई बाधाणी के विरुद्ध फरियाद

सूरत। गुरुवार को सूरत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के गणमान्य वकील एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस की लीगल सेल के कन्वीनर फिरोजखान एस. पठान ने जिला चुनाव अधिकारी सूरत एवं सूरत जिला कलेक्टर को लिखित फरियाद देकर जीतू भाई सवजी भाई वाधाणी के विरुद्ध चुनाव आचार संहिता भंग करने का आरोप लगया है। प्राप्त विवरण के अनुसार सूरत शहर की एक जाहेर सभा में भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख एवं भावनगर पश्चिम के धारासभ्य ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा उसके कार्यकर्ताओं के विरुद्ध आपत्ति जनक शब्दों जैसे कांग्रेस अंधाधुंधी एवं अराजकता फैला रही है। दादागीरी एवं लुक्षागीरी करने निकली है। पहले कांग्रेस का समय था अब जा चुका है। एक घटना घटी है अभी दूसरी घटनी है तो सूरत से निकालने में समय नहीं लगेगा। लोगों को हमेशा हैरान परेशान करती है। इतना ही नहीं कांग्रेस पक्ष के कार्यकर्ताओं को हरामजादा भी कहा इस तरह से इलेक्षन की सभा में जब आचार संहिता लागू हो ऐसा निष्कृय एवं निन्दनीय शब्द जीतू भाई के लिए शोभनीय नहीं है मामले की जांच का उचित कार्यवाही की मांग कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की है।

श्री राम नवमी एवं अम्बेडकर जयन्ती एक साथ हने से शोभा यात्रा का समय अलग-अलग

सूरत। गुरुवार को सूरत पुलिस कमिश्नर सतीष चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न विचार विमर्श में विश्व हिन्दु परिषद व बाबा साहेब अम्बेडकर शोभाय्तार समिति के अग्रकर्ताओं ने रामनवमी एवं अम्बेडकर जयन्ती का त्योहार एक साथ होने से सोभायात्रा के समय के प्रति आपसी स हमति सें क अनूण सामजस्य उत्पन्न किया तथा रामनवमी जन्म जयन्ती की शोभायात्रा 14-4-2019 को दोपहर के 3.00 बजे सूरत रेल्वे स्टेशन से शुरु की जाएगी जबकि अम्बेडकर जन्म जयंती शोभायात्रा साय 5 बजे से सूरत रेल्वे स्टेशन से ही शुरु की जाएगी। ऐसा प्रेसनोट मददमीश पुलिस कमिश्नर पुलिस कंट्रोल रुम से प्राप्त हुआ। निश्चय ही कितना अनूण संयोग एवं आयोजन है कि यात्रा दो घंटे के अन्तर से दो शोभा यात्राये एक ही जगह सें क ही दिन निकलेगी जो आपसी समद्भाव एंव आत्मीयता की मिशाल होगी।

मतदान दिवस या उसके पूर्व दिन प्रिंट मीड़िया के राजकीय विज्ञापन का प्रमाणीकरण आवश्यक: चुनाव आयोग

सूरत। गुरुवार को राजकीय पक्षों, उम्मीदवार व्यक्ति या संगठनों या संस्थाओं द्वारा इलेक्ट्रोनिक माध्यमों में प्रदर्शीत होने वाले विज्ञापनों का प्रदर्शन कनरे से पूर्व राज्य जिला स्तर की मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मानिटरिंग कमिटी (एमसीएमसी) समक्ष पूर्व मंजूरी के लिए प्रस्तुत करने की व्यवस्था की गयी है। इस प्रकार के विज्ञापनों में प्रिंट मीडिया का समावेश नहीं होता है। लेकिन मतदान के दिन तथा मतदान के दूसरे दिन यानि तारीख 22-4-2019 एवं 23-4-2019 के दिन राजकीय पक्ष, उम्मीदवार, कोई भी व्यक्ति, संस्था संगठन द्वारा प्रिंट मीडिया में विज्ञापन देने से पहले राजकीय पक्ष राज्य कक्षा की मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मोनिटरिंग कमिटी (एमसीएमसी)समक्ष तथा उम्मीदवार स्वंय उम्मीदवार के पक्ष में कोई व्यकित संस्था या संगठन जिला स्तर की मीडिया सर्टीफिकेशन एण्ड मोनिटरिंग कमिटी समक्ष पूर्व सम्मति के लिए प्रस्तुत करना होगा ऐसा केन्द्रीय चुनाव आयोग के आदेश से होगा जो सूरत जिला चुनाव अधिकारी ने सूचित किया।

सूरत आरोगय विभाग ने नवागाम में चार दुकानों से प्रतिवान्धित प्लास्टिक पकड़ा

सूरत। साउथ इस्ट जोन के आरोग्य विभाग द्वारा अपने क्षेत्र नवा गाम क्षेत्र में इंचार्ज नायब आरोग्य अधिकारी की सीधी देखरेख के तहत गहन प्लास्टिक प्रतिबंधक कार्यक्रम के तहत बी वार्ड में चोकिंग के दरम्यान प्रबिन्धित प्लास्टिक की विक्री करती चार संस्थाओं 1 वर्धमान प्लास्टि 230,840 कि.ग्रा., 2 सौराष्ट्र प्लास्टिक 60-100 कि.ग्रा, 3 नवपद प्लास्टिक से 72 किग्रा. तथा 4 अभिनन्दन प्लास्टिक से 209-515 कि.ग्रा. उक्त चार स्थलों से प्राप्त हुए, तथा पंचवटी पान सेंटर द्वारा प्रतिवंधित प्लास्टिक का उपयोग करते सयम मिलने पर इन पांच संस्थाओं से कुल 582.452 कि. ग्रा. का जत्था जब्त कर इन पांचों संस्थाओं को सील कर दिया है।

सूरत। आज मेमण दिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन मेमन हाल चौक बाजार में सम्पन्न हुआ जहां सैंकड़ों लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर दर्शना बेन जरदोष भी मेमन हाल में मौजुद थी।

हार्दिक पटेल ने कहा गजब की राजनीत कर रहे अल्पेश ठाकोर

अहमदाबाद। हार्दिक पटेल ने अल्पेश ठाकोर के कांग्रेस से इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह गजब की राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और काफी कम समये अल्पेश ठाकोर को अनेक जिम्मेदारियां दी गई थीं। उन्होंने कहा कि मैं अल्पेश ठाकोर को समझाने का प्रयास करूंगा। हांलाकि मैंने अल्पेश ठाकोर को फोन किया था, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। हार्दिक पटेल ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा कांग्रेस में अंदरुनी कलह कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अल्पेश ठाकोर और हार्दिक पटेल तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ें ऐसी मेरी इच्छा है। मेरी अल्पेश ठाकोर के साथ कोई स्पर्धा नहीं है, मुझे कांग्रेस में शामिल हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। गौरतलब है राधनपुर से विधायक अल्पेश ठाकोर ने बुधवार को कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। अल्पेश ठाकोर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में उनकी अवगणना और अपमान किया जा रहा था।

क्राइम ब्रांच ने चुनाव फण्ड के नाम पर 50 लाख रुपये मागने वाले को धर दबोचा

सूरत। गुरुवार सूरत डी. सी.बी पुलिस स्टेशन ने गु.र. नं. 08/2019 आई.पी.सी. की कालम 387,507 (2) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी सावन पंकज भाई को चुनाव फण्ड के लिए 50 लाख रुपये की जबरन मांग करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त विगतानुसार आरोपी सावन कुमार कई दिनों से फरियादी तलशी भाई गोपाल भाई कोशिया से 50 लाख रुपये की मांग कर रहा था। पुलिस द्वारा मिली सूचना के विवरण में तारीख 8/4/2019 को नित्य कुमानुसार तलशीभाई गोपाल भाई कोशिया कतारगाम स्थित नंदू डोसी की वाड़ी में मित्तल डायमंड नामक अपनी भागीदारी वाली पेढी में जाहं हीरा मैन्युफेक्चर रिंग का काम होता है, जाने के लिए घर से निके और कार ड्राईवर को बोला की सोसाइटी के बाहर चलों में पैदल आता हु कोशिया भाई जैसे ही सोसाइटी से बाहर आये एक अज्ञात व्यक्ति उन्हें मिला और मोबाइल में उनके लड़के का फोटो दिखाकर बोला में मुंबई के राणा भाई का आदमी हूं और चुनाव फण्ड के लिए पैसा देने है जिसके लिए 50 लाख रुपये आपकों देना है जिसके लिए तलाशी भाई ने बाद में बात करुंगा कहकर आगे निकल गये। इसके बाद वह अज्ञात व्यक्ति 9955555995 मोबाइल नम्बर से प्राय: फोन करता था कि मेरे पास 15 आदमियों की मांग है। आप इज्जतदार है इसलिए कुछ करना नहीं है नहीं तो यदी खड़े खड़े सब कुछ कर सकता हुं। तुम अभी वायदा करके चले गये तो तुम्हारा लड़का जीवित घर नहीं पहुंचेगा। ऐसा कह प्राय: रुपये की मांग कता था तंग आकर फरियादी ने डी.सी.बी स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध फरियाद देकर उपरोक्त नम्बर व धारा के तरत अपराध दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है। सदर अपराध दर्ज होने के बाद आरोपी ने चुनाव फण्ड के लिए 50 लाख जैसी रुकम की मांग की हो ऐसी में स्थिति गंभीर एं संदिग्ध लगने से नायब पुलिस कमिश्नर क्राइम एवं अन्य उच्चाधिकारियों की सूचना पर पी.आई.सी.एच. पनारा ने डी.सी.बी. पुलिस के मार्गदर्शन में आरोपी को पकड़ने हेतु योजना बानाई। इसी बीच हे. को. हरी सिंह विरसंग भाई तथा हे.को. हरपाल सिंह जशुभा ने मिलकर सूचनानुसार सुमुल डेरी रोड़ अलकापुरी ब्रिज के नीचे से आरोपी सावन सिंह पंकज भाई गढिया उम्र 32, वी.के नगर गीतानगर की बाजू में सिगलपोर, डभोली रोड़ निवासी मूलवतन गढडा,जूना नाका जिला वोटाड़ को दबोच कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह आन लाइन रेड़ी मेड कपड़ा बेचने का काम करता है, जिसमें 3 से 38 लाख का घाटा होने से यह सार्टकट रास्ता पैसा कमाने के लिए विचार किया। इस कार्य में फरियादी के पुत्र केयुर कोशिया के साथ लगभग 6 महिने पहले उसका परिचय होने से मित्रता बनी जिससे फरियादी की परिवारिक पृष्ठभूमि जानने के बाद सोचा कि फरियादी बहुत ही सहज एवं दलालु प्रकृति का होने से आसानी से बड़ी रकम की फिरौती मांगी जा सकती है।

सूरत। यैत्री सूय छठ पूजा कोजवे पर सम्पन्न हुई।

भाजपा का गढ़ कही जाने वाली राजकोट सीट पर कृषि संकट है ज्वलंत मुद्दा

राजकोट। सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित राजकोट लोकसभा क्षेत्र के लिए आम चुनाव 2019 का ज्वलंत मुद्दा कृषि और किसान संकट है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मेलजोल वाली यह सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती है। पिछले सात चुनावों में से छह बार यह सीट भगवा पार्टी के हिस्से में आई है। हालांकि इस बार कांग्रेस सत्तारूढ़ दल को कड़ी चुनौती देने की कोशिश में जुटी है। मुख्य मुकाबला भाजपा के मौजूदा सांसद मोहन कुंदरिया और कांग्रेस प्रत्याशी व विधायक ललित कगथारा के बीच है। केन्द्र ने हाल ही में राजकोट में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित करने की घोषणा की है। आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने भी हाल ही में यहां अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की मंजूरी दी है। इसके लिए जमीन राज्य सरकार ने आवंटित की है। राजकोट सीट से भाजपा उम्मीदवार धनसुख भंडारी का कहना है कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने राजकोट के लिए जो किया है वह कांग्रेस 60 साल में नहीं कर सकी। शहर को एम्स और अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा मिलने वाला है। सौनी योजना से पेयजल की समस्या हल हो गई है। भंडारी का दावा है कि राजकोट सीट इस बार भी भगवा पार्टी के खाते में आएगी। उन्होंने दावा किया है कि सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बारिश कम होने के बाद ग्रामीण राजकोट के बड़े हिस्से को सूखा प्रभावित घोषित कर किसानों को राहत पहुंचाई है। फसल बीमा प्रीमियम के तहत उसने 2,600 करोड़ जारी किए हैं।

अल्पेश ठाकोर के साथी भरत ठाकोर ने नहीं छोड़ी कांग्रेस

अहमदाबाद। अल्पेश ठाकोर के साथी विधायक भरत ठाकोर ने कांग्रेस से इस्तीफा देने की खबरों का खारिज कर दिया है। बता दें कि बुधवार को पाटण से विधायक अल्पेश ठाकोर ने कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद चर्चा थी कि अल्पेश ठाकोर के साथ ही धवलसिंह झाला और भरत ठाकोर ने भी इस्तीफा दे दिया है। लेकिन धवल झाला ने बीते दिन ही कांग्रेस से इस्तीफा देने की बात का खारिज कर दिया था। अब भरत ठाकोर ने इस्तीफों के खबरों का खारिज कर दिया है। भरत ठाकोर ने कहा कि कांग्रेस में किसी पद या पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया। मैं कांग्रेस के साथ ही ठाकोर सेना भी जुड़ा हुआ हैं। हांलाकि उन्होंने कहा कि अल्पेश ठाकोर मेरे गुरू हैं, इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं उनके साथ नहीं हूं।

अधेड़ ने पुत्री की 16 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म किया

सूरत। शहर के सरथाणा क्षेत्र में एक अधेड़ शख्स ने अपनी पुत्री की 16 वर्षीय सहेली के साथ तीन साल में दो दफा दुष्कर्म किया। साथ ही घटना का किसी से जिक्र नहीं करने की धमकी भी दी। बीते दिन किशोरी ने सरथाणा पुलिस थाने में अधेड़ के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार सूरत के सरथाणा क्षेत्र के सावलिया सर्कल के निकट रहनेवाली 16 वर्षीय उसी के एपार्टमेंट रहनेवाली अपनी सहेली के घर अक्सर आया-जाया करती थी। तीन साल पहले किशोरी सहेली से मिलने उसके घर गई थी। तब किशोरी की सहेली का पिता भद्रेश भेसाणिया घर में मौजूद थे। भद्रेश की पुत्री घर में नहीं थी। इसके बावजूद भद्रेश ने पुत्री की सहेली से कहा अंदर के कमरे में जाकर देख ले। किशोरी जैसे ही अंदर गई, भद्रेश ने घर का दरवाजा बंद कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे धमकी दी कि घटना का किसी जिक्र न करे। तीन साल बाद गत उत्तरायण पर्व पर भद्रेश ने किशोरी को अपने घर बुलाया और उसे डरा धमकाकर दोबारा दुष्कर्म किया। पीड़ित किशोरी स्वाध्याय में जाती थी, जहां उसने अपने टीम लीडर से घटना के बारे में बात की। टीम लीडर के हिम्मत देने पर किशोरी ने भद्रेश भेसाणिया के खिलाफ सरथाणा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने किशोरी की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)